दैनिक
भोपाल टुडे
आमंत्रण मूल्य-3 रुपए राजधानी का निष्पक्ष और निर्भीक अखबार...
पृष्ठ-8

सोमवार, 2 मार्च 2026 | दैनिक | वर्ष 4 | अंक 6 | ₹1.00 | 8 पृष्ठ

भगोरिया उत्सव में मंडाव में छाया रंग

विशेष प्रतिनिधि

धार जिले के मंडव में भगोरिया महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह महोत्सव रंग, उत्साह और पारंपरिक जोश के साथ मनाया गया। मंडव एक ऐतिहासिक पर्यटन स्थल है। इस महोत्सव में केंद्रीय मंत्री सवित्री ठाकुर ने विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। सवित्री ठाकुर ने जनजातीय पोशाक पहनकर समारोह में भाग लिया। उन्होंने पारंपरिक ढोल की थाप पर नृत्य किया। उन्होंने कहा कि भगोरिया जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं का प्रतीक है। यह होली से पहले मनाया जाता है और सप्तमी तक चलता है। धार के एसपी मयंक अवस्थी ने भी समारोह का दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हर साल भगोरिया में बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इसलिए पुलिस बल को तैनात किया गया है। मयंक अवस्थी ने बताया कि ट्रैफिक सुचारू रूप से चल सके, इसके लिए एक अलग टीम बनाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग ने मंडव में एक विशेष जागरूकता पंडाल स्थापित किया है। यहां अधिकारियों ने महिलाओं की सुरक्षा और बच्चों के लापता होने पर जानकारी साझा की। इस पंडाल के माध्यम से अभिमन्यु अभियान और ऑपरेशन मुस्कान के बारे में बताया गया। साइबर अपराध सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी दिए गए। युवा रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर ढोल की थाप पर नाच रहे थे। गुलाल उड़ाते हुए उन्होंने जीवंत लोक संस्कृति और सामुदायिक भावना को दर्शाया। खेतिया में भी भगोरिया हाट का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। यह हाट स्थानीय संस्कृति, एकता और सामंजस्य को दर्शाता है। शनिवार को खेतिया में बड़ी संख्या में जनजातीय लोग इकट्ठा हुए। वे ढोल और मंडल की थाप पर नाच रहे थे। पारंपरिक ढंग से, पटेलों के समूह रॉयल पोशाक में आए। उन्हें स्थानीय पुलिस स्टेशन के परिसर में स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने शहर में एक जुलूस निकाला। यह परंपरा खेतिया के भगोरिया का एक विशेष हिस्सा है। स्थानीय निवासी जुलूस के मार्ग में प्रतिभागियों का स्वागत कर रहे थे। महिलाओं ने पारंपरिक चांदी के आभूषण पहन रखे थे। बुजुर्ग भी अपने पारंपरिक कपड़ों में नजर आए। आधुनिकता के संकेत और सेल्फी संस्कृति भी दिखी। हालांकि, परंपरा की भावना मजबूत बनी रही। शहर में गुड़ की मिठाइयां, जलेबी, कुल्फी, खिलौने और पारंपरिक जस्ता के आभूषण बिक रहे थे। होलिका दहन के लिए खरीदे गए गुड़ के मालाओं की बिक्री तेज हो गई।

उत्सव के दौरान आदिवासी परिधान में नजर आईं मंत्री तो संस्कृति को बढ़ावा मिला

धार जिले के मंडाव में भगोरिया महोत्सव का आयोजन धूमधाम से हुआ। इस महोत्सव में रंग, उत्साह और पारंपरिक जोश का भरपूर समावेश था। केंद्रीय मंत्री सवित्री ठाकुर ने इस महोत्सव में विशेष आकर्षण के रूप में भाग लिया। उन्होंने जनजातीय परिधान पहनकर समारोह में भाग लिया और ढोल की थाप पर नृत्य किया। सवित्री ठाकुर ने कहा कि भगोरिया जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं का प्रतीक है। यह होली से पहले मनाया जाता है और सप्तमी तक चलता है।

भागोरिया उत्सव में पारंपरिक नृत्य से हजारों लोगों को जोड़ा गया और आनंदित किया गया

भगोरिया महोत्सव ने मंडव में रंग, उत्साह और परंपरा का संगम प्रस्तुत किया। यह महोत्सव धार जिले के ऐतिहासिक पर्यटन स्थल मंडव में मनाया गया। केंद्रीय मंत्री सवित्री ठाकुर महोत्सव में विशेष आकर्षण बनीं। वे आदिवासी परिधान में सजी-धजी थीं और पारंपरिक ढोल की थाप पर नृत्य किया। सवित्री ठाकुर ने कहा कि भगोरिया आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं का प्रतीक है। यह होली से पहले मनाया जाता है और सप्तमी तक चलता है। धार के एसपी मयंक अवस्थी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि हर साल भगोरिया में बड़ी संख्या में लोग आते हैं। पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि भीड़ को संभाला जा सके। मंडव में ट्रैफिक सुचारू रखने के लिए अलग टीम भी नियुक्त की गई है। पुलिस विभाग ने मंडव में एक विशेष जागरूकता पंडाल स्थापित किया है। इस पंडाल के माध्यम से अधिकारियों ने जानकारी साझा की। महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभिमन्यु अभियान की जानकारी दी गई। लापता बच्चों के लिए ऑपरेशन मुस्कान के बारे में भी बताया गया। साथ ही, साइबर अपराध सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए गए। युवा रंग-बिरंगे कपड़ों में ढोल की थाप पर नाचते रहे।

मध्य प्रदेश में बेटियों के लिए बड़ा कदम उठाया गया

मध्य प्रदेश में बेटियों के लिए बड़ा कदम उठाया गया

समाचार संवाददाता

इस अभियान के पहले चरण में से वर्ष की आयु की लगभग आठ लाख किशोरियों को निश्शुल्क टीका लगाया जाएगा। यह वैक्सीन कैंसर के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों का टीकाकरण कराएं। केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश को लाख हजार डोज उपल कराई हैं। यह टीका उन बालिकाओं को दिया जाएगा जो वर्ष की आयु पूरी कर चुकी हैं और वर्ष से कम हैं। यह टीका चिन्हित सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क उपल रहेगा। यह अभियान तीन महीने तक चलेगा। टीकाकरण सुबह बजे से दोपहर बजे तक होगा। यह स्वैच्छिक है, लेकिन अभिभावक की सहमति जरूरी होगी। टीकाकरण के बाद, बालिका को मिनट तक स्वास्थ्य केंद्र में निगरानी में रखा जाएगा। इंजेक्शन स्थल पर हल्का दर्द हो सकता है। सिरदर्द या थकान जैसे सामान्य दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है। डॉ मोहन यादव ने कहा कि यह बेटियों के स्वास्थ्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों का टीकाकरण जरूर कराएं। यह टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाने में मदद करेगा। राजेंद्र शुक्ला ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में सबसे सामान्य कैंसर है। यह एक गंभीर बीमारी है, जो समय पर पहचान नहीं होने पर बढ़ सकती है। टीकाकरण से वर्ष की किशोरियों के लिए है। यह निश्शुल्क है और इसे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में लगाया जाएगा। अभियान तीन महीने तक चलेगा। टीका सुबह बजे से दोपहर बजे तक लगाया जाएगा। पंजीकरण यू-विन पोर्टल पर होगा।

कानून में बदलाव

कानूनी विशेषज्ञों ने आरटीआई कमजोर होने की

सूचना का अधिकार अधिनियम की कमजोर होती स्थिति से संविधानिक अधिकारों पर खतरा मंडरा रहा है। कई कानूनी विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जताई है। हाल ही में 'जस्टिस अनप्लग्डः शापिग द फ्यूचर ऑफ लॉ' सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने इस अधिनियम के महत्व को रेखांकित किया। वे कहते हैं कि अदालतों में सुनवाई के दौरान संवेदनशील टिप्पणियों से बचना चाहिए। इससे सुनवाई की अखंडता प्रभावित हो सकती है। कानूनी पेशेवरों ने बताया कि लाइव-स्ट्रीमिंग से न्याय प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है। लेकिन इसके साथ ही जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। एक विशेषज्ञ ने कहा कि न्यायालयों को अपने शब्दों का चयन सावधानी से करना चाहिए। यह सुनवाई की गरिमा को बनाए रखने में मदद करेगा। इस सम्मेलन में कई प्रमुख वकील और न्यायाधीश शामिल हुए। सभी ने अपने विचार साझा किए और समाधान के लिए सुझाव दिए। विशेषज्ञों ने बताया कि अधिनियम का कमजोर होना आम जनता के अधिकारों को प्रभावित कर सकता है। यह लोकतंत्र की नींव को कमजोर करेगा। फिर, उन्होंने कहा कि सभी को इस अधिनियम के प्रति जागरूक होना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण कानूनी उपकरण है। कानून का

न्यायपालिका में बदलाव की जरूरत महसूस की गई

सही इस्तेमाल होना चाहिए। इससे लोगों को उनका अधिकार मिल सकेगा। इसके बाद, एक वकील ने कहा कि संवेदनशील टिप्पणियों से बचना जरूरी है। यह न्यायालय की छवि को बनाए रखेगा। तभी एक न्यायाधीश ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि हमें संयमित रहना चाहिए। अंत में, सभी ने एकमत होकर कहा कि संविधानिक अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि अधिनियम में सुधार की आवश्यकता है। इससे इसके प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है। कानूनी पेशेवरों ने कहा कि जागरूकता बढ़ाने से लोगों को उनके अधिकारों का ज्ञान होगा। एक वकील ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए यह जरूरी है। इसके बाद, उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होकर इस अधिनियम का समर्थन करना चाहिए। तभी एक न्यायाधीश ने कहा कि हम सबको मिलकर काम करना होगा। अंत में, सभी ने एक नई पहल की बात की। यह पहल अधिनियम को मजबूत करने के लिए होगी। विशेषज्ञों ने कहा कि यह एक चुनौती है, लेकिन इसे स्वीकार करना होगा। कानूनी पेशेवरों ने बताया कि यह बदलाव समाज के लिए फायदेमंद होगा।

Fundamental Rights in the Digital Age:
Constitution's Response to Emerging Trends
Shadan Farasat
Senior Advocate, Supreme Court of India
Gopal Sankaranarayanan
Senior Advocate, Supreme Court of India
M S Sharmila

ट्रंप के दावे ने खामेनेई की मौत की पुष्टि की

ट्रंप ने खामेनेई की मौत का दावा

स्थानीय संवाददाता

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बारे में नए दावे सामने आए हैं। अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों ने पूरी दुनिया की राजनीति में हलचल मचा दी है। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले खामेनेई के मारे जाने का दावा किया था। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस बात की पुष्टि की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों में खामेनेई की मौत हुई है। यह बयान वैश्विक राजनीति में एक नया मोड़ ला सकता है। ईरान की स्थिति को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ गई है। खामेनेई की मौत से ईरान की शक्ति और उसके भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। खामेनेई की मौत के बाद, ईरान की प्रतिक्रिया का इंतजार है। क्या वे जवाब देंगे? यह बड़ा सवाल है। इस्राइल और अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हो रही है। क्या यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा? समय बताएगा। ईरान के नागरिकों में भय और आशंका है। वे अपने नेता की मौत से चिंतित हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस घटना पर नजर रखे हुए है।

वैश्विक राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत की खबर ने सबको चौंका दिया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पहले इस बात का दावा किया था कि खामेनेई मारे गए हैं। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी इस दावे को दोहराया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों में खामेनेई की जान चली गई। यह एक बड़ा बयान है जो पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। नेतन्याहू ने कहा, खामेनेई को खत्म करने का समय आ गया था।

ईरान ने खामेनेई के मारे जाने के दावे का खंडन किया

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का मुख्य परिसर पूरी तरह नष्ट हो गया है। नेतन्याहू ने अपने संबोधन में बताया कि इस्राइल ने खामेनेई के मुख्य परिसर को नष्ट कर दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि वह हमलों में मारे गए हैं। ईरान ने इस दावे का खंडन किया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए की गई है। इससे यह साफ होता है कि इस्राइल ईरान के खिलाफ अपनी रणनीति को सख्त कर रहा है। तेहरान शहर परिषद के एक सदस्य ने दावा किया है कि खामेनेई के दामाद और बहू हालिया हमलों में मारे गए हैं। हालांकि, इस जानकारी की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। हमलों में तेहरान के कई हिस्सों को निशाना बनाया गया। धमाकों की आवाजें सुनाई दी हैं। इससे ईरान की राजधानी में भय और अशांति फैली है। ईरान की ओर से जवाबी मिसाइल हमलों की खबरें आ रही हैं। इससे क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। स्थिति अभी भी विकसित हो रही है।

व्हाय इस द एन ई पी उन्देर्ग्रद चोउर्से में चओस? | एक्स्प्लैनेद

विशेष प्रतिनिधि

नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक पाठ्यक्रम में काफी हलचल है। छात्रों और शिक्षकों दोनों को चौथे वर्ष की योजना को लेकर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति सभी के लिए तनावपूर्ण हो गई है। चौथे वर्ष के कार्यक्रम के लिए क्या अतिरिक्त फंडिंग है? विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस विषय पर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए हैं। इससे स्थिति और भी जटिल हो गई है। इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी भी एक बड़ी समस्या है। कई कॉलेजों में आवश्यक सुविधाएँ नहीं हैं। शिक्षकों को पढ़ाने में कठिनाई हो रही है। छात्रों का ध्यान भटक रहा है। गाइडलाइनों में बार-बार बदलाव हो रहे हैं। इससे सभी को परेशानी हो रही है। शिक्षकों को नए नियमों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करना मुश्किल हो रहा है। छात्रों का कहना है कि उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि आगे क्या होगा। शिक्षकों के लिए भी यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है। वे छात्रों को सही दिशा में मार्गदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति को लेकर छात्रों और शिक्षकों के बीच बातचीत हो रही है। वे एक-दूसरे की समस्याओं को समझने की कोशिश कर रहे हैं। यह चर्चा समाधान के लिए आवश्यक है। छात्रों ने कहा कि वे चौथे वर्ष के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें पिछले साल के पाठ्यक्रम में भी समस्याएँ आई थीं। शिक्षकों ने भी इस बात को माना। शिक्षक बोले, हमें समय पर गाइडलाइनों की जानकारी नहीं मिलती। इससे हम पाठ्यक्रम को सही से नहीं पढ़ा पाते। छात्रों की चिंताओं को समझना जरूरी है। फिर, छात्रों ने एक बैठक का आयोजन किया। उन्होंने अपनी समस्याओं को साझा किया। सभी ने मिलकर समाधान खोजने का प्रयास किया। तभी, कुछ छात्रों ने सुझाव दिया कि वे प्रशासन से मिलकर अपनी बात रखें। यह एक अच्छा कदम था। सभी ने इस पर सहमति जताई। अंत में, छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर एक ज्ञापन तैयार किया।

संविधान की व्याख्या के लिए नई दिशा की तैयारी की जा रही

संवैधानिक नैतिकता की बात तो न्याय को बिना डर के किया जाना बताया गया

संवाददाता • राजनीति

कपिल सिब्बल ने कहा कि संवैधानिक नैतिकता अंततः बिना डर और पक्षपात के न्याय पर निर्भर करती है। यह विचार उन्होंने जस्टिस अनप्लग्ड 2026 में साझा किया। सिब्बल ने कहा कि संवैधानिक मशीनरी पूरी तरह से टूट चुकी है। इस स्थिति में न्याय की आवश्यकता है। उन्होंने एन. राम के साथ बातचीत में कहा कि न्याय को विवादों से ऊपर उठकर संविधान की व्याख्या करनी होगी। सिब्बल ने कहा कि संविधान का उद्देश्य समाज के लिए बड़ा लाभ लाना है। यह सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करता है। उन्होंने न्याय की प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। न्याय को सभी के लिए सुलभ होना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि संवैधानिक नैतिकता का पालन करना बेहद जरूरी है। यह न्याय की सही परिभाषा है। न्याय के बिना, संविधान का कोई महत्व नहीं है। न्याय का होना जरूरी है, यह सिब्बल का मानना है। सिब्बल ने कहा कि हमें न्याय में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक नैतिकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सिब्बल ने न्यायपालिका की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को स्वतंत्र रहना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि न्याय की प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने न्याय के प्रति जनता का विश्वास बढ़ाने की आवश्यकता बताई। सिब्बल ने कहा कि सभी को समान न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्याय का उद्देश्य समाज में समानता लाना है। सिब्बल ने न्याय के प्रति लोगों की उम्मीदों को समझने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी, अन्याय के समान है। सिब्बल ने कहा कि संविधान की व्याख्या में सहानुभूति जरूरी है। उन्होंने कहा कि न्याय के लिए समाज में जागरूकता बढ़ानी होगी। सिब्बल ने कहा कि हमें एकजुट होकर न्याय के लिए लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि न्याय की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना चाहिए।

संविधान के सम्मान का किया गया ऐलान

संविधान की मशीनरी का पूरी तरह से टूटना एक गंभीर चिंता का विषय है। यह स्थिति न्यायपालिका के लिए चुनौती बन गई है। जब संविधान की व्याख्या की जाती है, तो यह जरूरी है कि इसे समाज के भले के लिए किया जाए। कपिल सिब्बल ने न्याय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्याय को विवादों से ऊपर उठकर काम करना चाहिए। यह सही समय है जब संविधान की व्याख्या को नए दृष्टिकोण से देखा जाए।

कपिल सिब्बल ने कहा कि संविधान की मशीनरी पूरी तरह से टूट गई है। न्याय को भय और पक्षपात से ऊपर उठकर संविधान की सही व्याख्या करनी चाहिए। यह समाज के लिए आवश्यक है कि न्याय का उद्देश्य सबके हित में हो। सिब्बल ने यह भी कहा कि न्याय की प्रक्रिया में तर्क और बहस से आगे बढ़ना जरूरी है।